६० / १०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

सुबह ९:०० से १२:००] (रविवार, ९ जुलाई, २०००) **कुल अंक : १००**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाये गए हैं।

(विभाग - १ श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना)

प्र.१. निम्नलिखित किन्हीं भी दो विषयों के सन्दर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए। ६

१. *प्रगट की पहचान येह ही ज्ञान।*
२. *श्रीहरि सर्वोपरि - श्रीमुख के वचनों के आधार पर।*
३. *गुणातीतानंद स्वामी मूल अक्षर हैं।*
४. *साकार स्वरूप में रुचि।*

प्र.२. निम्नलिखित किन्हीं दो प्रसंगों का वर्णन कर सिद्धांत लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ८

१. *शीतलदास को समाधि।*
२. *ऐसे सद्गुरु कौन ?*
३. *वाघाखाचर को निश्चय।*
४. *गुणातीतानंद स्वामी ने तीसरा फूल अचिंत्यानंद ब्रह्मचारी को दिया।*

प्र.३. निम्नलिखित किन्हीं दो विषयों पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ८

१. *सर्वकर्ताहर्ता श्री हरि।*
२. *भगवान व्यापक होते हुए भी मूर्तिमान कैसे ?*
३. *गुणातीत संत की महिमा - महाराज के श्रीमुख से।*
४. *'स्वामी अक्षर हैं।' इसके बारे में गोपालानंद स्वामी द्वारा कहे गये प्रसंग। (किसी दो)*

प्र.४. निम्नांकित में से किन्हीं दो विषय में कारण लिखिए। (बारह पक्तियों मे) ८

१. *उपासना का विषय समझना संप्रदाय के आश्रितो के लिये अत्यंत आवश्यक है।*
२. *घनश्यामदास ने कहा, 'आप अक्षर सच्चे।'*

३. *भगवान को साकार समझना चाहिए।*
४. *गुणातीत संत का ध्यान करने में शास्त्रों का निषेध नहीं है।*

प्र.५. *उपासना में क्या समझना चाहिए ?* ८

प्र.६. *'स्वामिनारायण' शब्द की व्युत्पत्ति समजाइए।* ५

प्र.७. निम्नांकित किसी भी एक विषय पर टिप्पणी लीखिए। ५

१. *सर्व से पर अक्षरधाम और अक्षरधामाधिपति श्रीहरि सर्वोपरि।*
२. *मोक्ष के लिये प्रगट भगवान या प्रगट संत।*
३. *अक्षरब्रह्म के विविध स्वरूप।*

(विभाग - २ सत्संग वाचनमाला भाग- ३ तथा प्रेरणामूर्ति प्रमुखस्वामी महाराज)

प्र.८. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के अवतरण, किसने, किसको तथा कब कहा है यह लिखिए। ६

१. *''हम इस लोक में राज करने के लिये नहीं आये हैं।''*
२. *''अहोहो, यह मेरे भगवान की लीला तो देखो।''*
३. *''मैं तो मंदिर का महंत हूँ, मेरी मरजी में जो भी आये वही करूँ।''*
४. *''आपको मैं करोड दंडवत् करूँ, तब भी कम है।''*

प्र.९. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के कारण लिखिए। (बारह पंकितयों में) ८

१. *मुक्तानंद स्वामी ने 'भ्रमणा भांगी रे.... ' यह कीर्तन बनाया।*
२. *निष्कुलानंद स्वामी गढाली चले गए।*
३. *नारायणस्वरूपदास अटलादरा से सारंगपुर आ पहुँचे।*
४. *गोपालानंद स्वामी ने एसा कहा कि अब मुझसे त्याग वैराग्य की बातें कहीं नहीं जाय।*

प्र.१०. निम्नांकित में से किन्हीं दो विषयों पर विस्तार से विवरण लिखिए। ८

१. *गोपालानंद स्वामी के ऐश्वर्य।*
२. *मुक्तानंद स्वामी की तितिक्षा।*
३. *'नम्रता के सागर' प्रमुखस्वामी महाराज। (किसी दो प्रसंग)*
४. *शिवलाल सेठ का ध्यान।*

प्र.११. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। ६

१. *निष्कुलानंद स्वामी द्वारा लिखे गए दो ग्रंथों के नाम लिखिए।*

२. शिवलाल सेठ ने गढडा और भावनगर में किसको स्थापित किया ?

३. प्रमुखस्वामी महाराज को प्रमुख पद पर कब नियुक्त किया गया ?

४. जब रघुवीर महाराज ने गुणातीतानंद स्वामी को पेडा दिया तब स्वामी ने क्या कहा ?

५. श्रीजीमहाराज ने पर्वतभाई को गन्ना दिया तब पर्वतभाई ने क्या कहा ?

६. कुशलकुंवरबा ने श्रीजीमहाराज की आरती कितनी बार की ?

प्र.१२. निम्नलिखित में से किसी एक प्रसंग का वर्णन करके संक्षेप में भावार्थ लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ४

१. रघुवीरजी महाराज द्वारा की गई सत्संगीजीवन की पारायण।

२. अखंडानंद स्वामी को दस्त लग गये।

३. लालजी भक्त चलाखा लाए।

(विभाग - ३ निबन्ध)

प्र.१३. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर लगभग ६० पंक्तियों में निबन्ध लिखिए। २०

१. स्वामिनारायण महामंत्र की महिमा।

२. सत्संग की अनमोल मूडी प्रमुखस्वामी का जतन।

३. समाज के विनाशक तत्त्व - कुसंप और कुसंग।